अभ्यास पत्रक

पाठ – दिये जल उठे

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

रास के बूढ़े बरगद ने वह दृश्य देखा था। दांडी कूच की तैयारी के सिलसिले में वल्लभभाई पटेल सात मार्च को रास पहुँचे थे। उन्हें वहाँ भाषण नहीं देना था लेकिन पटेल ने लोगों के आग्रह पर 'दो शब्द' कहना स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा,"भाइयो और बहनो, क्या आप सत्याग्रह के लिए तैयार हैं?" इसी बीच मजिस्ट्रेट ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और पटेल को गिरफ़्तार कर लिया गया। यह गिरफ़्तारी स्थानीय कलेक्टर शिलिडी के आदेश पर हुई, जिसे पटेल ने पिछले आंदोलन के समय अहमदाबाद से भगा दिया था।

1. पटेल रास क्यों पहुँचे थे?

उत्तर - .....

.....

2. पटेल ने भाषण क्यों दिया?

उत्तर - .....

.....

3. पटेल को गिरफ्तार किसने किया और क्यों?

उत्तर - .....

.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): गांधीजी पटेल की गिरफ्तारी से क्षुब्ध थे।
   तर्क (R): पटेल ने दांडी यात्रा से पहले भाषण दिया था।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): पटेल की गिरफ्तारी से देशभर में प्रतिक्रिया हुई।
   तर्क (R): उन्हें बिना मुकदमा चलाए जेल भेजा गया था।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. गांधीजी की यात्रा किस तिथि से प्रारंभ होनी थी?
   (A) 6 मार्च 1930 (B) 12 मार्च 1930 (C) 21 मार्च 1930 (D) 15 अगस्त 1930
7. गांधी जी को रास में कहाँ ठहराया गया?
   (A) धर्मशाला में (B) तंबू में (C) विद्यालय में (D) मंदिर में
8. कनकापुरा में गांधी जी को किसने तिलक लगाया?
   (A) एक युवक ने (B) गाँव के मुखिया ने (C) 105 वर्षीय वृद्धा ने (D) पटेल ने
9. गांधी जी के अनुसार सच्ची यात्रा कैसी होती है?
   (A) मोटर से (B) बैलगाड़ी से (C) विमान से (D) पैदल चलकर कष्ट सहते हुए
10. कौन रघुनाथ काका कहलाए?
    (A) नाविक (B) गोपालदास (C) जिन्ना (D) गांधी के सचिव

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. गांधीजी ने दरबार समुदाय की सराहना क्यों की?

उत्तर - .....

.....

.....

12. गांधीजी के अनुसार कुछ तलाटी और मुखी किस प्रकार सरकार से जुड़े थे?

उत्तर - .....

.....

.....

13. मदन मोहन मालवीय ने क्या प्रस्ताव रखा और उसका क्या परिणाम हुआ?

उत्तर - .....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

14. गांधीजी द्वारा दिये गए भाषण के आधार पर बताइए कि वे सरकार के अत्याचार के विरुद्ध किस प्रकार जनता को जागरूक करते थे।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'त्याग और संघर्ष से ही स्वतंत्रता मिलती है' – इस विषय पर 100–120 शब्दों में निबंध लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी

1. दांडी यात्रा की तैयारी के सिलसिले में।
2. लोगों के अनुरोध पर।
3. कलेक्टर शिलिडी ने, बदले की भावना से।
4. (C)
5. (A)
6. (B)
7. (A)
8. (C)
9. (D)
10. (A)

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक):

11. गांधीजी ने दरबार समुदाय की सराहना इसलिए की क्योंकि उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई उपाधियाँ, तमगे और सुविधाएँ लौटा दी थीं। उन्होंने सत्याग्रह में भाग लेकर अपने त्याग और साहस का परिचय दिया था।

12. गांधीजी के अनुसार कुछ तलाटी और मुखी सरकार के नौकर बनकर कार्य कर रहे थे। वे जनता की सेवा करने के बजाय अंग्रेज सरकार के आदेशों का पालन करते थे और अन्याय में सहयोगी बन जाते थे। वे 'गंदगी पर मक्खी' की तरह चिपके हुए थे।

13. मदन मोहन मालवीय ने यह प्रस्ताव रखा कि गांधीजी को सत्याग्रह के लिए पूर्ण अधिकार दिया जाए। परिणामस्वरूप, कांग्रेस ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और गांधीजी को आंदोलन की कमान सौंप दी गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक):

14. गांधीजी अपने भाषणों में सरकार के अत्याचारों को उजागर करते थे और जनता को उसके विरुद्ध खड़े होने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने बताया कि अंग्रेज सरकार जनता का शोषण कर रही है और लोगों से उनके अधिकार छीने जा रहे हैं। वे लोगों से अपील करते थे कि वे अन्याय का विरोध शांतिपूर्ण ढंग से करें और सत्य व अहिंसा का मार्ग अपनाएं। गांधीजी ने आम जनता में आत्मविश्वास जगाया और उन्हें यह विश्वास दिलाया कि उनका त्याग और संघर्ष एक दिन स्वतंत्रता की ओर ले जाएगा।

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक):

15. निबंध – त्याग और संघर्ष से ही स्वतंत्रता मिलती है

स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं होती, बल्कि यह त्याग, तपस्या और संघर्ष का परिणाम होती है। भारत की आज़ादी भी लाखों देशवासियों के त्याग और बलिदान से प्राप्त हुई। महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं ने अपने जीवन को देश की सेवा में अर्पित कर दिया। उन्होंने अत्याचारों का सामना किया, जेल गए, लेकिन हार नहीं मानी। आम नागरिकों ने भी अंग्रेजों का बहिष्कार किया, विदेशी वस्त्रों को जलाया और सत्याग्रह में भाग लिया। यह सब त्याग और संघर्ष के उदाहरण हैं। यदि हम सच्चे मन से किसी महान लक्ष्य के लिए प्रयास करें, तो सफलता निश्चित मिलती है। इसलिए कहा गया है – "त्याग और संघर्ष से ही स्वतंत्रता मिलती है।"